संक्षिप्त

उदयपुर पहुंचे रेसलर खली

उदयपुर, (कासं)। अंतर्राष्ट्रीय रेसलर द ग्रेट रविवार को उदयपुर पहुंचे। डबोक एयरपोर्ट पर उनका स्वागत किया गया। इसके बाद वे कविता गांव पहुंचे जहां संभाग स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया और खिलाड़ियों का हौंसला बढ़ाया। समारोह को संबोधित करते हुए द ग्रेट खली ने कहा कि खेल युवाओं के सर्वांगीण विकास का सबसे मजबूत माध्यम है। खेलों से न केवल शरीर मजबूत होता है बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास और टीम भावना का भी विकास होता है। द ग्रेट खली ने ग्रामीण प्रतिभाओं को सराहा और नशे से दूर रहकर खेलों को जीवन का हिस्सा बनाने का आव्हान किया। समापन समारोह के दौरान प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली टीमों और खिलाड़ियों को अतिथियों द्वारा पुरस्कार एवं सम्मान प्रदान किए गए। इस दौरान प्रतियोगिता के संयोजक अर्जुन पालीवाल, देवीलाल पालीवाल, नरेश पालीवाल, पुलिस अधिकारी हिमांशु सिंह राजावत जिला खेल अधिकारी डॉ. महेश पालीवाल सहित कई गणमान्य नागरिक, खेल प्रशिक्षक मौजूद रहे।

रीना को पीएचड़ी की उपाधि

बांसवाड़ा, (निसं)। गोविंद गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय ने कानून के क्षेत्र में दक्षिणी राजस्थान के जनजाति क्षेत्र में महिलाओं के विधिक अधिकार एक आलोचनात्मक अध्ययन पर रीना यादव को पीएचडी की उपाधिक प्रदान की। रीना ने जीजीटीयू के सहआचार्य डॉ.राकेश डामोर के निर्देशन में अपना शोध कार्य पूर्ण किया। उनका यह शोध दक्षिणी राजस्थान के जनजाति क्षेत्र की महिलाओं के कानूनी अधिकारों एवं जागरूकता लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। ध्यान रहे कि रीना वागड़ क्षेत्र के यादव समाज की विधि (कानून) के क्षेत्र में शोध कार्य करने वाली पहली महिला है। रीना ने बताया कि वह विज्ञान की विद्यार्थी रही लेकिन अपने पिता पूर्व नर्सिंग अधीक्षक शंकरलाल यादव की प्रेरणा से उसने कानून के क्षेत्र में उच्च अध्ययन किया। रीना ने एमए इतिहास, पीजीडीआईटी कम्प्यूटर, बीजेएमसी जैसी कई उपलब्धियां अर्जित कर रखी है। साहित्यकार डॉ. कांतिलाल यादव ने कहा कि रीना का यह शोध कार्य वागड़ के आगे के शोधार्थियों के लिये मार्ग प्रशस्त करेगा।

स्वच्छता का पाठ मिशन का आयोजन

कपासन, (निसं)। कपासन के धोबी खेड़ा गाँव में संकल्प यूथ ग्रुप द्वारा स्वच्छता का पाठ मिशन के अंतर्गत एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में स्थानीय बालक-बालिकाओं को हाइजीन, पोषण, स्वास्थ्य एवं दैनिक दिनचर्या के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।कार्यक्रम के दौरान बच्चों को स्वच्छ रहने, प्रतिदिन ब्रश करने, समय पर नाखून काटने, साफ कपड़े पहनने तथा स्वस्थ आदतें अपनाने के बारे में समझाया गया। बच्चों को ये सभी बातें नाटक (ड्रामा) के माध्यम से सरल और रोचक तरीके से बताई गईं, जिससे वे आसानी से समझ सकें और इन्हें अपने दैनिक जीवन में अपना सकें। इसके साथ ही बच्चों के अभिभावकों को भी जागरूक किया गया। उन्हें बताया गया कि वे बच्चों के स्कूल से आने के बाद उनके दिनभर की गतिविधियों पर ध्यान दें, उनसे पढ़ाई व होमवर्क के बारे में बातचीत करें तथा उनके स्वास्थ्य और आदतों पर विशेष ध्यान रखें।

भल्लो का गुडा व नामरी फाइनल में

उदयपुर,(कासं)। डांगी सेवा संस्थान खेल संघ उदयपुर के तत्वावधान में आयोजक ग्राम पुला द्वारा आयोजित 38वीं डांगी पटेल समाज क्रिकेट प्रतियोगिता में रविवार को रॉयल खेडा स्टेडियम में खेले गए सेमीफाइनल मुकाबलों में भल्लो का गुडा ने मानपुरा को हराकर फाइनल में प्रवेश किया, जबकि दूसरे सेमीफाइनल में नामरी ने भीमल को पराजित कर खिताबी मुकाबले में जगह पक्की की।

व्यंग्यात्मक आंदोलन आज

उदयपुर, (कासं)। यूरिया खाद की गंभीर कमी और किसानों की पनपती कठिनाइयों के विरोध में मेवाड किसान संघर्ष समिति, उदयपुर द्वारा एक सामूहिक व्यंग्यात्मक आंदोलन सोमवार प्रात:11 बजे कृषि विभाग, उदयपुर के बाहर होग किसानों की दुर्दशा, खाद की उपलब्धता पर नियंत्रण की कमी तथा प्रशासनिक जवाबदेही पर प्रश्न उठाने के लिए यह कार्यक्रम शांतिपूर्ण परन्तु प्रभावी ढंग से स्वर उठाएगा।मेवाड किसान संघर्ष समिति के वरिष्ठ प्रतिनिधि विष्णु पटेल संयोजक मेवाड किसान संघर्ष समिति उदयपुर ने बताया कि हमारा उद्देश्य केवल आवाज उठाना है, न कि विद्रोह।

किसानों को वे आवश्यक संसाधन उपलब्ध हों जो उन्हें उपज बढाने और अपने परिवार कापालन-पोषण फ़रने के लिए चाहिए। जब प्रस्तावित नीतियाँ और वितरण व्यवस्था विफल हो रही हों, तब व्यंग्य के माध्यम से वास्तविकता दिखाना भी जरूरी हो जाता है। इस दौरान अलग-अलग जिलों से आए किसान सदस्य प्रदर्शन करेंगे।

शिल्पग्राम में तमाशा शैली में 'शिव महिमा' का मंचन

उदयपुर, (कासं)। पश्चिम क्षेत्र सास्कृतिक केंद्र उदयपुर द्वारा आयोजित मासिक नाट्यय संध्या 'रंगशाला' के अंतर्गत रविवार को परम्परा नाट्यय समिति जयपुर की संस्था द्वारा दर्पण सभागार में संगीत मय नाट्यय प्रस्तुति जयपुर की लोक प्रिय तमाशा शैली में शिव महिमा के रूप में तमाशा साधक दिलीप भट्ट के निर्देशन में प्रभावशील संगीत बद्ध करके प्रस्तुति दी गई। दर्शकों से खचाखच भरे सभागार में इस प्रस्तुति को खूब सराहा गया।

पश्चिम क्षेत्र सास्कृतिक केंद्र उदयपुर के निदेशक फ़ुरकान खान ने बताया की प्रति माह आयोजित होने वाली मासिक नाट्यय संध्या रंगशाला के अंतर्गत परंपरा नाट्यय समिति जयपुर द्वारा शिव महिमा का मंचन रविवार को दर्पण सभागार, शिल्पठाम उदयपुर में किया गया। यह नाटक तमाशा शैली पर आधारित संगीतमय प्रस्तुति थी जिसकी परिकल्पना एवं निर्देशन दिलीप भट्ट द्वारा की गई।

जयपुर की तमाशा शैली ढाई सौ वर्ष पुरानी लोक नाट्यय शैली है। नव वर्ष के उपलक्ष्य में इस संगीत प्रधान शिव महिमा में शिव की प्रस्तुति के साथ शिव पार्वती प्रसंग को भी बड़े रोचक अंदाज में कलाकारों ने पेश किया। शिव जी कहते है जाती हो पिता के घर तो जाओ खुश होकर में तुम्हे नहीं रोकूंगा इच्छा है तुम्हारी तो नहीं रोकूंगा किंतु याद रखना तुम मैं शिव हुं तुम मेरी शक्ति हो, मैं हुं वैराग्य तुम मेरी अभिव्यक्ति हो, अर्थ हुं मैं तुम मेरी अनुरती हो यदि तुम पर आंच भी आई तो प्रलय हो जाएगा, मेरे क्रोध नल में दक्ष जल जाएगा जाओ सती जाओ तुम्हारे संकल्प की जय हो तुम्हारी यात्रा का मार्ग मंगलमय हो। यह शिव पार्वती की मार्मिक ओर नाट्यय प्रस्तुति से सभागार उत्साह से भर गया। नाट्यय प्रस्तुति में दिलीप भट्ट ने सूत्रधार की भूमिका बखूबी ढंग से निभाई और गायन पक्ष संभाला। इस प्रस्तुति में (शिव) हर्ष भट्ट, (दक्ष) सिकंदर अब्बास, (गणेश) विपिन अटल, (पार्वती) रेणु सनाढ्य की भूमिका निभाई। संगतकारों में तबले पर शैलेन्द्र शर्मा, संगीत पर मनोहर टांक, हारमोनियम पर शेर खान, कोरस में सचिन भट्ट, विपिन अटल, आदित्य भट्ट, मेकअप ओर लाइट नरेंद्र बबल और परिकल्पना एवं निर्देशन दिलीप भट्ट, सहायक रहे सचिन भट्ट। तमाशा शैली एक अपने आप में एक अनूठी लोक कला है जिसे भट्ट परिवार के कलाकारों ने जीवंत कर रखा है।

रंगमंच प्रेमियों ने केन्द्र की प्रशंसा की और ऐसे आयोजन करने के लिए धन्यवाद किया। अंत में सभी कलाकारों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में केन्द्र के उप निदेशक (कार्यक्रम) पवन अमरावत, उदय सिंह, मुकुल ऑदिच्य, अन्य अधिकारी कर्मचारी सहित शहर के कई गणमान्य अतिथि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन सिद्धांत भटनागर ने किया।यह एक नाट्यय प्रस्तुति है जो तमाशा (एक पारंपरिक लोक-नाट्यय शैली) के रूप में शिव महिमा (भगवान शिव की महिमा) का वर्णन करती है। कलाकारों ने तमाशा साधक के रूप में भगवान शिव के विभिन्न रूपों को शास्त्रीय रागों और भाव-भंगिमाओं से प्रस्तुत किया। यह नाटक भगवान शिव के प्रति भक्ति, उनकी शक्ति और जीवन में सकारात्मकता लाने का संदेश देता है, जिससे दर्शक जुड़ाव महसूस करते हैं। भगवान शिव के स्वरूपों को शास्त्रीय संगीत और अभिनय के माध्यम से दर्शाया गया, जो दर्शकों को खूब पसंद आया है और शिव भक्ति का अनुभव कराता है।

जीजीटीयू में 7वें दीक्षांत समारोह की तैयारियां अंतिम चरण में

■ दीक्षांत समारोह 8 जनवरी को , 29 शोधार्थियों को पीएचडी, 35 स्वर्ण पदक मिलेंगे

बांसवाडा, (निसं)। गोविन्द गुरु जनजातीय विवि (जीजीटीयू), बांसवाडा में आयोजित होने वाले 7वें दीक्षांत समारोह की तैयारियाँ अब अंतिम चरण में पहुँच गई हैं। इस संबंध में कुलगुरु प्रो. केशव सिंह ठाकुर की अध्यक्षता में विवि स्तर पर आयोजित उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में दीक्षांत समारोह से जुडी समस्त शैक्षणिक, प्रशासनिक एवं प्रबंधकीय व्यवस्थाओं की विस्तार से समीक्षा की गई।

बैठक में निर्णय लिया गया कि 7 जनवरी को दीक्षांत समारोह का पूर्वाभ्यास (रिहर्सल) आयोजित किया जाएगा, जबकि 8 जनवरी को विश्वविद्यालय परिसर में गरिमामय वातावरण में 7वाँ दीक्षांत समारोह सम्पन्न होगा। कुलगुरु प्रो. ठाकुर ने निर्देश दिए कि आयोजन विश्वविद्यालय की अकादमिक गरिमा,अनुशासन एवं समयबद्धता का उत्कृष्ट उदाहरण बने।

दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि हरिभाऊ बागडे, राज्यपाल, राजस्थान एवं कुलाधिपति, गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय, बाँसवाडा होंगे। दीक्षांत उद्बोधन डॉ. अतुल कोठारी, राष्ट्रीय सचिव, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली द्वारा दिया जाएगा। समारोह की अध्यक्षता कुलगुरु प्रो. केशव सिंह ठाकुर करेंगे। आयोजन को सुचारु रूप से सम्पन्न कराने हेतु विभिन्न समितियों का गठन कर उनके दायित्व निर्धारित किए गए।

विभिन्न संकायों के 29 शोधार्थियों को पीएचडी (विद्या-वाचस्पति) उपाधि प्रदान की जाएगी। पीएचडी उपाधि प्राप्त करने वाले शोधार्थियों में उमेशराम, रमेश चन्द्र मेघवाल, रामेश्वर, ममता पाटीदार, माणक राम, श्रीकृष्ण जांगीड, दीपिका स्वर्णकार, असलम मोहम्मद, प्रीतेश अधिकारी, मुकेश कुमार निनामा, शशिकांत भारद्वाज, गजेन्द्र सिंह मीणा, रीना पटेल, दीपक कुमार पण्ड्या, मीना कुमारी, हिनल जैन, हिमांशु पण्ड्या, पूर्वा वोहरा, शांतिलाल नायमा, नरेन्द्र कुमार, महेश सरगडा, रीना यादव, गणेशलाल पाटीदार, महीपाल सिंह चारण, पूंजीलाल यादव, ऐश्वर्या राव, धर्मेन्द्र पटेल, अंजली ठाकुर एवं तनय व्यास शामिल हैं। ये उपाधियाँ शिक्षा, हिंदी, संस्कृत, भूगोल, इतिहास, राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र, विधि, वाणिज्य, वनस्पति विज्ञान, प्राणीशास्त्र एवं रसायन शास्त्र जैसे विविध विषयों में प्रदान की जा रही हैं।

श्रद्धालुओं ने दीपदान कर की भैरव की आराधना

उदयपुर, (कासं)। जैसे ही श्रद्धालुओं की थालियों में हजारों दीप प्रज्ज्वलित होते ही जैसे ही जगद्गुरु श्री वसंत विजयानन्द गिरी महाराज के श्रीमुख से सस्वर मंत्र पाठ शुरू हुआ तो लगा, मानो साक्षात भगवान भैरव, भक्तों को आशीर्वाद देने आये हों। यह दृश्य कृष्णगिरी पीठाधीश्वर जगद्गुरु पूज्यपाद वसंत विजयानन्द गिरी महाराज के श्रीमुख से उद्धरित एकलिंगजी शिव पुराण कथा के सातवें दिन जनसमुदाय ने निहारा और भक्ति में लीन हो गए।

समिति के अध्यक्ष नानालाल बया, महामंत्री देवेन्द्र मेहता ने बताया कि जगद्गुरु देव ने करीब 25 मिनट अनवरत मंत्रोच्चार किया और श्रद्धालुओं ने आभास किया कि प्रभु भैरव उनपर आशीर्वाद बरसा रहे हैं। भैरव कृपा प्राप्ति के लिए यह विशेष साधना करवाई गई।कथा में आसन्दी पर विराजित जगद्गुरु वसंत विजयानंद गिरी महाराज से भेंट करने मेवाड़ राजवंश के लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ उपस्थित हुए। आपने पूज्य गुरुदेव का आशीर्वाद लेकर जगद्गुरु देव जी को माल्यार्पण किया। पूज्यपाद जगद्गुरू देव जी द्वारा श्री जी हुजूर को सर्वमंगल का आशीर्वाद दिया गया। साथ ही गुरुदेव द्वारा श्रीजी हुजूर को समृद्धि कलश भेंट किया गया। इस दौरान लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने महोत्सव प्रांगण में स्थापित महाराणा प्रताप जी की 25 फीट ऊंची प्रतिकृति के सम्मुख पुष्पांजलि अर्पित की।

राजस्थान सरकार के सहकारिता एवं नागरिक उड्डयन मंत्रीगौतम दक एवं नारायण सेवा संस्थान के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल ने भी पूज्यपाद जगद्गुरु वसंत विजयानन्द जी की शरण पहुंचकर आशीर्वाद लिया। अतिथियों का आयोजन समिति की ओर से प्रमुख पदाधिकारी शंकेश जैन, देवेंद्र मेहता, मुकेश चेलावत, रितेश जैन, राजकुमार जैन आदि द्वारा उपरना ओढ़ा और स्मृति चिन्ह भेंटकर अभिनन्दन किया गया।

विद्यापीठ: स्पोर्ट्स कार्निवल का हुआ आगाज

उदयपुर, (कासं)। राजस्थान विद्यापीठ के संघटक इंजीनियरिंग महाविद्यालय की ओर से आयोजित स्पोट्स कार्निवल का आगाज कुलपति प्रो. शिवसिंह सारंगदेवोत ने फीता काट कर किया जिसमें डिप्लोमा इंजीनियरिंग, फार्मेसी एवं नर्सिग महाविद्यालय के सौ से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

प्रो. सारंगदेवोत ने विद्यार्थियों का आव्हान किया कि समग्र विकास के लिए शैक्षणिक गतिविधियों के साथ साथ महाविद्यालय द्वारा आयोजित सह-शैक्षणिक गतिविधियों में भी भाग लेना जरूरी है जिससे शरीर, स्वस्थ एवं तंदुरस्त रहेगा। खेल से टीम भावना से काम करने, नेतृत्व क्षमता व धैर्यता के साथ आगे बढने की क्षमता विकसित होती है। बैडमिंटन पुरूष वर्ग में इंजीनियरिंग के युवराज, महिला वर्ग में फर्मोसी की लिवांशी गोल्ड मेडल जीता। चेस में फार्मेसी के मनीष प्रजापति, ने स्थान प्राप्त किया। क्रिकेट में नर्सिंग ने पहला ओर इंजीनियरिंग ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। आयोज समिति के प्रणय दाधीच, धीरज सिंह, अभिमन्यु चक्रवर्ती, विनोद नागर, आरती टांक, सीमा तिवारी ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। इस अवसर पर डॉ. संजय चैधरी, डॉ. गजेद्र सिंह, डॉ. उदयभान सिंह, डॉ. मोहसीन छीपा सहित विद्यार्थियों ने कार्निवल का लुत्फ उठाया।

सरलता मानव जीवन का सद्‌गुण : महाश्रमण

राजसमंद। जैन श्वेताम्बर तेरापंथ धर्मसंघ के 11 वें आचार्यश्री महाश्रमण ने रविवार को ब्यावर से गतिमान होते सर्दी के मौसम में भी निरंतर विहार किया। कोहरे से लिपटा प्रात:काल लोगों को अपने घरों में दुबकने को विवश हैं, वहीं जीवन के सातवें दशक में गतिमान महातपस्वी आचार्य महाश्रमण जनकल्याण के लिए निरंतर गतिमान है।

तेरापंथ धर्म संघ कार्यकर्ता राजकुमार दक ने बताया कि विहार के दौरान युगप्रधान आचार्यश्री महाश्रमण की दिगम्बर परंपरा के मुनि आदि आदित्यसागर से आध्यात्मिक मिलन हुआ। दो आम्नायों के संतों का आध्यात्मिक मिलन जन-जन को हर्षित कर रहा था। दोनों संतों के मध्य विभिन्न विषयों पर कुछ समय तक वार्तालाप का क्रम रहा। कुछ समय बाद आचार्यश्री महाश्रमण पुन: आज के निर्धारित गंतव्य की ओर बढ चले।

जनकल्याण के लिए अखण्ड परिव्राजक आचार्यश्री महाश्रमण लगभग 17 किलोमीटर का प्रलम्ब विहार कर खरवा गांव में स्थित दिल्ली पब्लिक सेकेण्ड्री स्कूल में पधारे। प्रलम्ब विहार व आध्यात्मिक मिलन के कारण आचार्यश्री दोपहर लगभग एक बजे निर्धारित प्रवास स्थल में पधारे। धर्मसंघ के कार्यकर्ता राजकुमार दक ने बताया कि स्कूल परिसर में आयोजित प्रात:कालीन मुख्य मंगल प्रवचन कार्यक्रम में उपस्थित श्रद्धालुओं को अध्यात्मवेत्ता आचार्यश्री महाश्रमणजी ने पावन प्रतिबोध प्रदान करते हुए कहा कि मानव अपने जीवन में बोलता है, लिखता है, शरीर से इशारा अथवा संकेत करते हैं। मन में चिंतन, कल्पना, स्मृति करते हैं।

भूमिगत जल में जहर घोलता प्रदूषित पानी जनस्वास्थ्य के लिए गंभीर चेतावनी और जघन्य अपराध : गुप्ता

उदयपुर, (कासं)। राजस्थान के स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के समन्वयक के के गुप्ता ने केन्द्र और राज्य सरकार एवं न्यायालयों से भूमिगत जल में जहर घुलते प्रदूषित पानी और प्रदूषित जल से सैकडो लोगों के मरने की इंदौर जैसी घटनाओं को जनस्वास्थ्य के लिए गंभीर चेतावनी और जघन्य अपराध मानते हुए स्वत: संज्ञान लेकर दोषी अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही सुनिश्चित करने की मांग रखी है।

गुप्ता ने कहा कि देश के कई शहरों और कस्बों में धरती के भीतर केमिकल युक्त प्रदूषित पानी का लगातार प्रवेश एक गंभीर पर्यावरणीय और जनस्वास्थ्य संकट बनता जा रहा है। औद्योगिक कचरे, वर्षा जल के साथ बहकर आने वाले ठोस-तरल अपशिष्ट और बिना शोधन छोडे जा रहे सीवरेज के गंदे पानी ने भूजल को जहरीला कर दिया है। मध्यप्रदेश के इंदौर सहित देश के अनेक हिस्सों में सामने आई घटनाएँ इस बात की चेतावनी हैं कि यदि अभी सख्त कदम नहीं उठाए गए तो आने वाली पीढयों के लिए स्वच्छ जल केवल कागजी नारा बनकर रह जाएगा।

आज हम देख रहे है निकायों द्वारा कचरा यार्डो में गंदगी के ढेर लगा रखे है जहाँ मरे हुए जानवरों को भी खुल्ले में डाला जा रहा है जब वर्षा आती है उस कचरे के ढेर पर पानी पड़ता है जो केमिकल्स युक्त बन जाता है धीरे धीरे धरती में जाकर आस पास की धरती का पानी प्रदूषित कर देता है वही अधिकारियो द्वारा कचरे निस्तारण वैज्ञानिक ढंग से कागजो में बताकर रात के अँधेरे में कचरे में आग लगवाकर कचरे का निस्तारण कर देते है वही आस पास रहने वाले आमजन का इस पीड़ा से जीना दुर्लभ हो रहा है यह केवल धरती के जल को ही प्रदूषित नहीं कर रहे है अपितु वायु प्रदूषण भी कर रहे जो जानलेवा है यह स्पष्ट है कि औद्योगिक इकाइयों से निकलने वाला रासायनिक अपशिष्ट, नगर निकायों द्वारा वैज्ञानिक ढंग से निस्तारण न किया गया कचरा और खुले नालों-नालियों से बहता सीवरेज वर्षा के समय जमीन में समा जाता है। इससे मिट्टी की परतों से छनकर वही प्रदूषित पानी एक्विफर तक पहुँचता है, जो वर्षो बाद हैंडपंपों और ट्यूबवेलों के जरिए पीने के पानी के रूप में लोगों तक लौटता है। इंदौर में हाल के वर्षो में भूजल में भारी धातुओं, नाइट्रेट और हानिकारक रसायनों की मात्रा बढने की रिपोर्टें इसी खतरनाक चक्र की ओर इशारा करती हैं। गुप्ता ने कहा कि ऐसा दूषित भूजल लंबे समय तक उपयोग में रहने से कैंसर, किडनी और लीवर की बीमारियाँ, त्वचा रोग, बच्चों में जन्मजात विकृतियाँ और पाचन तंत्र से जुडी गंभीर समस्याएँ बढ सकती हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में जहाँ लोग आज भी भूजल पर निर्भर हैं, वहाँ यह खतरा और भी गहरा है। विडंबना यह है कि कई स्थानों पर दूषित पानी की जानकारी होने के बावजूद वैकल्पिक स्वच्छ जल व्यवस्था समय पर नहीं की जाती।

गुप्ता ने कहा कि यह स्थिति केवल प्राकृतिक नहीं, बल्कि प्रशासनिक लापरवाही और जवाबदेही के अभाव का परिणाम है। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, जल (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम और पर्यावरण संरक्षण अधिनियम जैसे कडे कानून मौजूद हैं, लेकिन उनके क्रियान्वयन में ढिलाई बरती जाती है। कई औद्योगिक इकाइयाँ बिना पूर्ण शोधन संयंत्र चलाए धरती पर अपशिष्ट छोड देती हैं। सामाजिक संगठनों और पर्यावरण कार्यकर्ताओं की मांग है कि सरकार और न्यायालय इस पूरे मुद्दे पर स्वत: संज्ञान लें। दोषीयों और जिम्मेदारो के खिलाफ सख्त दंडात्मक कार्रवाई हो, ताकि यह संदेश जाए कि जल स्त्रोतों से खिलवाड अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि दक्षिणी राजस्थान के ऐतिहासिक डूंगरपुर में उनके नगरपरिषद चेयरमैन के कार्यकाल में घरों में वर्षा पानी को वाटर हार्वेस्टिंग के माध्यम से धरती में डालने के कार्य से न केवल धरती का जल स्तर बढा अपितु पानी में वर्षा पानी मिलने से टी.डी.एस.की मात्रा जो पहले 800 के करीब थी वह बाद में 500 हो गई। आज देश में शहरी क्षेत्रो में वाटर हार्वेस्टिंग हेतु निकायों द्वारा निर्माण स्वीकृति के पूर्व राशी ली जाती है परन्तु वाटर हार्वेस्टिंग न करवाने से आज निगमों में करोडो रुपया जल के नाम से जमा पड़ा जिसे सख्ती के साथ लागु किया जाना आवश्यक है अन्यथा शहरो में भारी जल संकट आने की संभावनाए बन रही है वाटर हार्वेस्टिंग से हैंडपंपों के रिचार्जिंग तथा नगर में कई आरओ प्लांट लगाने के परिणाम अद्भुत रहे है। इसी तर्ज पर देश के हर शहर में काम किए जाने की जरूरत है। साथ ही पानी की गुणवत्ता जांचने का मापदण्ड टी डी एस की भी समय समय पर जांच कराई जानी चाहिए क्योंकि गंदा और प्रदूषित पानी ही हर बीमारी की जड है । गुप्ता ने बताया कि डूंगरपुर मॉडल को देखने और अध्ययन के लिए तत्कालीन दिल्ली सरकार और अन्य स्थानों की टीमें भी डूंगरपुर आई थी तथा दिल्ली संसद में भी डूंगरपुर जल संचय व जल संरक्षण की चर्चा 4 दिसम्बर 2023 को हुई थी। स्कूल-कॉलेजों और समाज में जल संरक्षण व प्रदूषण के दुष्परिणामों पर जागरूकता अभियान चलाए जाने चाहिए।

गुप्ता ने कहा कि धरती के भीतर जा रहा प्रदूषित पानी केवल एक शहर या राज्य की समस्या नहीं, बल्कि राष्ट्रीय संकट है। यदि आज सरकार और न्यायालय कठोर रुख अपनाकर दोषियों पर दंडात्मक कार्रवाई करते हैं, तो न केवल इंदौर जैसी घटनाओं पर लगाम लगेगी, बल्कि देश के अमूल्य जल संसाधनों को भी बचाया जा सकेगा। स्वच्छ जल जीवन का अधिकार है, और इसकी रक्षा में किसी भी स्तर की लापरवाही को अब अपराध माना जाना चाहिए।

सार-समाचार

पाटोत्सव पर किये अनुष्ठान

बांसवाड़ा, (निसं)। श्रीमद् भावगत समिति तथा श्री गणेश भक्त मण्डल के तत्वावधान में श्री सिद्धि विनायक गणपति मंदिर के 17वें पाटोत्सव पर श्री गणेश सहस्त्रावर्तन अनुष्ठान कर भगवान को 1008 गणेश अथर्वाशेष तथा नामावलि से मोदक अर्पण किए गए। पं. दिव्य भारत पंड्या के आचार्यत्व तथा पं. नरेन्द्र आचार्य व पं. विनय भट्ट के सहायक आचार्यत्व में मुख्य यजमान परिवार के मनीष सोनी, प्रवीणा सोनी, राजकुमारी सोनी ने महापूजा में भाग लिया। इस अवसर पर पं. कमल भट्ट, अमित भट्ट, धर्मेन्द्र त्रिवेदी, अंकित त्रिवेदी, अमित जोशी, जलज नागर ने गणेशजी का षोडशोपचार पूजन किया वहीं भगवान गणेश के मंत्रो के साथ दुर्वाकुंर व गुलाब के पुष्प अर्पित किए गए। बड़ा रामद्वारा के संत रामप्रकाश महाराज ने भक्तो से सनातन के कार्यक्रम में सहयोग प्रदान कर संगठन में शाक्ति का परिचय देने का आ ान करे हुए कहा कि मंदिर हमारी आस्था के केन्द्र के साथ सांस्कृतिक एकता का केन्द्र है यहां से नयी पीढ़ी को जोड़कर इसको प्रबल करें। अध्यक्षता पूर्व मंत्री भवानी जोशी ने की जबकि विशिष्ट अतिथि श्रीमद् भागवत समिति के अध्यक्ष सुनील दोसी व श्री गणेश भक्त मण्डल के संरक्षक लाभचंद पटेल रहे। कार्यक्रम में अधिवक्ता कृष्णकांत उपाध्याय ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर मुकुन्द नागर, सुरेश पंड्या, राकेश भट्ट, जयप्रकाश नागर ने भजन प्रस्तुत किए।

विराट हिन्दू सम्मेलन 24 जनवरी को

डूंगरपुर, (निसं)। शहर के शिवाजी बस्ती में विराट हिन्दू सम्मेलन की तैयारी को लेकर विजय बाल हनुमान मंदिर सलाटवाड़ा चौक में सर्व समाज की बैठक हुई। डॉ. प्रकाशचंद्र शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में सम्मेलन की रुपरेखा व आयोजन समिति बनाई गई। शर्मा ने कहा कि सशक्त भारत के निर्माण के लिए संगठित हिंदू समाज अत्यंत आवश्यक है। यह कार्य किसी एक व्यक्ति या संगठन का नहीं, बल्कि पूरे समाज का सामूहिक दायित्व है। नगर संयोजक भूपेंद्र पालीवाल ने सम्मेलन में प्रत्येक वर्ग को जोड़ने का आ ान किया। बैठक में सर्वसम्मति से 24 जनवरी शनिवार को विजय बाल हनुमान मंदिर में शिवाजी बस्ती का हिन्दू सम्मेलन आयोजित करने का निर्णय हुआ। जिसमें संध्या फैरी, भजन संध्या, धर्म सभा, महाआरती, सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ होगा। बैठक में उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं ने हिंदू सम्मेलन को सफल बनाने के लिए एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लिया।

जश्ने अशरफ कल

कपासन, (निसं)। हज़रत मखदूम अशरफ जहाँगीर सिमनानी र.अ. की याद मे मंगलवार, 06 जनवरी को जश्ने अशरफ मनाया जाएगा। बज्मे अशरफी के सैक्रेट्री एवं पूर्व पार्षद अशरफ हुसैन अंसारी के अनुसार हर साल की तरह इस साल भी किछोछा शरीफ जिला अम्बेडकर नगर उत्तर प्रदेश मे स्थित दरगाह हजरत मखदूम अशरफ जहाँगीर सिमनानी र.अ. की याद मे मंगलवार को मोमीन मोहल्ला, नहर के पास बाद नमाजे ईशा जश्ने अशरफ बडी ही शानो शोकत के साथ मनाया जाएगा। जश्ने अशरफ मे पीरे तरीकत औलादे गौसे आजम हज़रत अल्लामा अलहाज डॉ. सैयद जलालुद्दीन अशरफ उर्फ कादरी मियां (चेयरमेन मखदूम अशरफ मिशन पण्डवा शरीफ जिला मालदा पश्चिम बंगाल) की तकरीर होगी। शायरे इस्लाम उस्मान गनी के साथ ही मुकामी व बैरोनी ओलमाऐ किराम व शोएरा हजरात भी शिरकत फरमाएंगे। बज्मे अशरफी के सदर अब्रदुरज्जाक मंसूरी के अनुसार हज़रत कादरी मियाँ बुधवार प्रात: काल को डबोक हवाई अड्डे से लखनउ तशरीफ ले जायेंगे।

कोर टीम व सर्वसमाज की बैठक

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर के उदयपुर विकास प्राधिकरण के 205 गांवों में बसी आबादी पर पट्टे जारी करने की मांग को लेकर चल रहे आंदोलन के तहत शनिवार को पेरोफेरा संघर्ष समिति व सर्वसमाज की बैठक आयोजित हुई जिसमें प्रशासन के सकारात्मक रूख के साथ 15 जनवरी तक का समय मांगे जाने की बात कही गई। इसके बाद संघर्ष समिति ने प्रशासन से बनी सहमति, आंदोलन की आगामी रणनीति और जनहित से जुडे मुद्दों की पत्रकारों को जानकारी दी गई। इस संबंध में पेराफेरी संघर्ष समिति के संयोजक चंदन सिंह देवड़ा ने बताया कि हम जहां आबादी बसी है उसकी पैरवी कर रहे है और उसी की लड़ाई लड़ रहे है। जिनका सर्वे भी यूडीए द्वारा करवाए जा चुका है। इसके साथ चर्चा यह भी है कि इनसे सटे हुए भाग जहां आबादी बस चुकी है वहां सरकार सर्कुलर से जैसी कार्रवाई चाहे वैसी करें हम उसके पक्ष में है लेकिन वे आबादी बसावट के लोगों के लिए पट्टों की मांग कर रहे है। चंदन सिंह देवड़ा ने उन पर लगाए गए आरोपों को भी मिथ्या बताया और कहा कि वर्ष 2013 से हम यह लड़ाई लड रहे है और संघर्ष अब भी जारी है। आंदोलन वर्षो से आबादी में रह रहे लोगों को वैधानिक पट्टे दिलाने के लिए है, न कि अतिक्रमण या खाली जमीनों के समर्थन में। समिति ने कहा कि वह नियमों के तहत न्यायसंगत समाधान की मांग कर रही है और आमजन को अधिकार दिलाना ही उसका उद्देश्य है। इस दौरान पेराफेरी पंचायतों के जनप्रतिनिधि, सर्व समाज के प्रतिनिधि, मेवाड किसान सभा, करणी सेना सहित 24 संगठनों के पदाधिकारी मौजूद रहे।

जनसुनवाई केंद्र पर जनसंवाद

राजसमंद, (निसं)। विधायक दीप्ति किरण माहेश्वरी ने विधायक जनसुनवाई केंद्र राजसमंद पर भाटोली एवं पुठोल पंचायत के कार्यकर्ताओं तथा क्षेत्रवासियों के साथ जन संवाद एवं परिचर्चा में सहभागिता की। इस अवसर पर दोनों पंचायतों के गणमान्य नागरिकों व कार्यकर्ताओं ने पेयजल, सडक, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य, राजस्व प्रकरण, कृषि सहित विभिन्न जन समस्याओं को विस्तार से प्रस्तुत किया।विधायक दीप्ति माहेश्वरी ने सभी विषयों पर गंभीरता से विचार करते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को समस्याओं के शीघ्र एवं प्रभावी समाधान हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। उन्होंने कहा कि जनसुनवाई का उद्देश्य नागरिकों की समस्याओं को प्राथमिकता से सुनकर त्वरित निस्तारण सुनिश्चि चत करना है, ताकि आमजन को राहत मिल सके। ग्रामीण रोजगार को लेकर उन्होंने कहा कि जी राम जी विधायक से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के क्षेत्र में एक नई क्रांति आने वाली है। अब 125 दिनों के रोजगार के लिए कानूनी गारंटी दी गई है तथा मजदूरी का भुगतान प्रत्येक सप्ताह किया जाएगा। खेती के व्यस्त दिनों में 6० दिनों के लिए अल्पकालिक रोक रहेगी। नकली जॉब कार्ड पर रोक लगाकर ग्रामीण अधोसंरचना के निर्माण कार्यों को गति दी जाएगी। इस अवसर पर विधायक दीप्ति माहेश्वरी ने नवीन 88.4 एफ एम चैनल रेडियो रॉकिंग राजसमंद के पोस्टर का विमोचन कर शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। उन्होंने कहा कि नए भारत के निर्माण की दिशा में सशक्त सुशासन को समर्पित प्रदेश सरकार जन-जन के कल्याण एवं उत्थान हेतु पूर्णत: वचनबद्ध है।

उदयपुर में खेलते नजर आएंगे कई आईपीएल खिलाड़ी

उदयपुर, (कासं)। जिला क्रिकेट एसोसिएशन की कार्यकारिणी की मीटिंग रविवार को लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ की अध्यक्षता में होटल शिकारबाड़ी में आयोजित हुई। मीटिंग में जिला संघ की गतिविधियों व प्रमुख रूप से उदयपुर क्रिकेट जिला संघ के तत्वावधान में आयोजित होने जा रहे ऑल इंडिया लेवल 20-20 टूर्नामेंट को लेकर चर्चा की गई। यह टुर्नामेंट संभवत: फरवरी माह में होना है। प्रतिदिन तीन मैच होंगे जिनका शिड्यूल तैयार किया जा रहा है। इसमें 6 टीमे भाग लेगी और प्रत्येक टीम पांच मैच खेलेगी। संभवत: इसमें 15 से अधिक आईपीएल व राष्ट्रीय क्रिकेटर शामिल होंगे। जिला संघ सचिव मनोज चौधरी ने बताया कि डिकोड मैटा टेक कंपनी उदयपुर जिला संघ के तत्वावधान में एक ऑल इंडिया लेवल 20-20०क्रिकेट टूर्नामेण्ट आयोजित करना चाहती है जो ब्लेजगिं स्ट्राइकर्स क्रिकेट लीग नाम से आयोजित होगी।